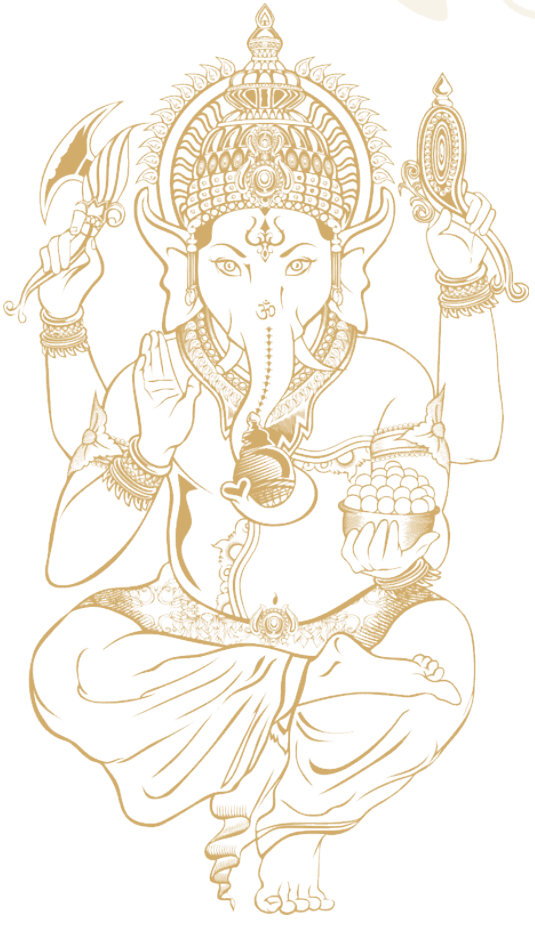

Mrs. Divyanshi Singh

25 Apr 2000

06:47 PM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119124211

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25/04/2000**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**18:47:00 घंटे**
इष्ट	32:43:34 घटी
स्थान	**Jabalpur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:10:00 उत्तर
रेखांश	79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:36:48 घंटे
वेलान्तर	00:02:04 घंटे
साम्पातिक काल	08:52:15 घंटे
सूर्योदय	05:41:34 घंटे
सूर्यास्त	18:35:07 घंटे
दिनमान	12:53:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	11:46:22 मेष
लग्न के अंश	15:13:40 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:13:40	320:38:25	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	11:46:22	00:58:24	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	उच्च राशि
चंद्र			धनु	28:02:37	11:49:00	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
मंगल			वृष	00:19:22	00:42:31	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
बुध		अ	मीन	27:16:38	01:51:33	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	नीच राशि
गुरु			मेष	21:01:09	00:14:13	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	29:17:28	01:13:54	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	उच्च राशि
शनि			मेष	24:37:33	00:07:36	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	नीच राशि
राहु	व		कर्क	04:27:08	00:00:25	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	04:27:08	00:00:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:36:23	00:01:26	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:40:13	00:00:26	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:36:12	00:01:12	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कर्क	16:45:00	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:25

लग्न-चलित

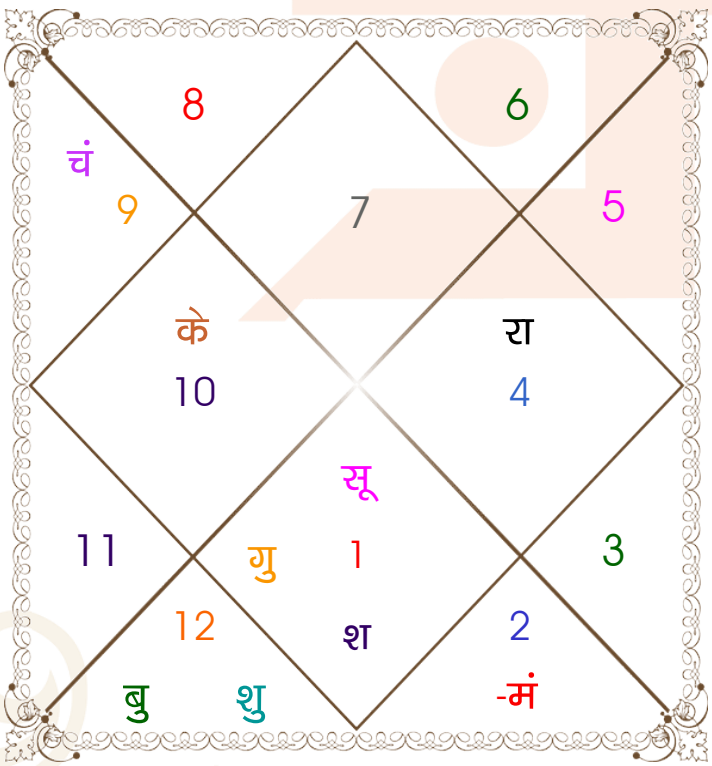

चन्द्र कुंडली

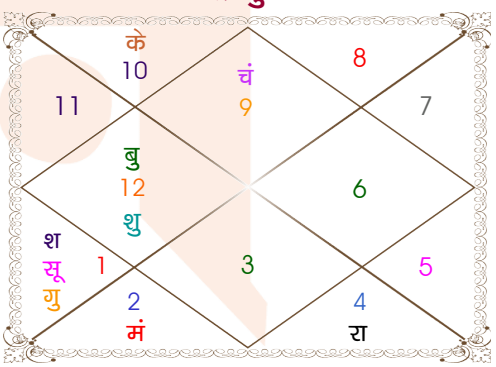

नवमांश कुंडली

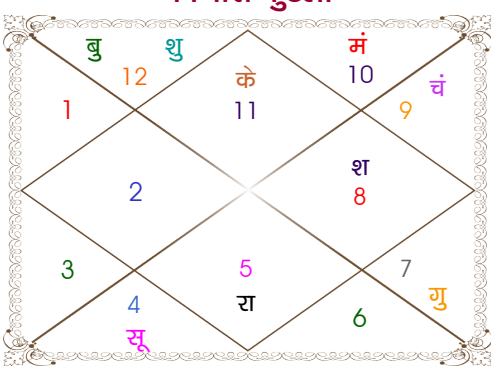

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 4 मास 17 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/04/2000		11/09/2005		12/09/2015		12/09/2022		11/09/2040	
11/09/2005		12/09/2015		12/09/2022		11/09/2040		11/09/2056	
	25/04/2000	चंद्र	13/07/2006	मंगल	08/02/2016	राहु	25/05/2025	गुरु	30/10/2042
चंद्र	30/06/2000	मंगल	11/02/2007	राहु	26/02/2017	गुरु	18/10/2027	शनि	13/05/2045
मंगल	05/11/2000	राहु	12/08/2008	गुरु	02/02/2018	शनि	24/08/2030	बुध	19/08/2047
राहु	30/09/2001	गुरु	12/12/2009	शनि	13/03/2019	बुध	13/03/2033	केतु	25/07/2048
गुरु	19/07/2002	शनि	13/07/2011	बुध	10/03/2020	केतु	31/03/2034	शुक्र	26/03/2051
शनि	01/07/2003	बुध	12/12/2012	केतु	06/08/2020	शुक्र	31/03/2037	सूर्य	12/01/2052
बुध	06/05/2004	केतु	13/07/2013	शुक्र	06/10/2021	सूर्य	23/02/2038	चंद्र	13/05/2053
केतु	11/09/2004	शुक्र	13/03/2015	सूर्य	11/02/2022	चंद्र	25/08/2039	मंगल	19/04/2054
शुक्र	11/09/2005	सूर्य	12/09/2015	चंद्र	12/09/2022	मंगल	11/09/2040	राहु	11/09/2056

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/09/2056		12/09/2075		11/09/2092		12/09/2099		13/09/2119	
12/09/2075		11/09/2092		12/09/2099		13/09/2119		00/00/0000	
शनि	15/09/2059	बुध	08/02/2078	केतु	07/02/2093	शुक्र	12/01/2103	सूर्य	01/01/2120
बुध	25/05/2062	केतु	05/02/2079	शुक्र	09/04/2094	सूर्य	13/01/2104	चंद्र	26/04/2120
केतु	04/07/2063	शुक्र	06/12/2081	सूर्य	15/08/2094	चंद्र	12/09/2105		00/00/0000
शुक्र	03/09/2066	सूर्य	12/10/2082	चंद्र	16/03/2095	मंगल	13/11/2106		00/00/0000
सूर्य	16/08/2067	चंद्र	13/03/2084	मंगल	13/08/2095	राहु	12/11/2109		00/00/0000
चंद्र	16/03/2069	मंगल	10/03/2085	राहु	30/08/2096	गुरु	13/07/2112		00/00/0000
मंगल	25/04/2070	राहु	27/09/2087	गुरु	06/08/2097	शनि	13/09/2115		00/00/0000
राहु	01/03/2073	गुरु	02/01/2090	शनि	15/09/2098	बुध	14/07/2118		00/00/0000
गुरु	12/09/2075	शनि	11/09/2092	बुध	12/09/2099	केतु	13/09/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 4 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com